TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

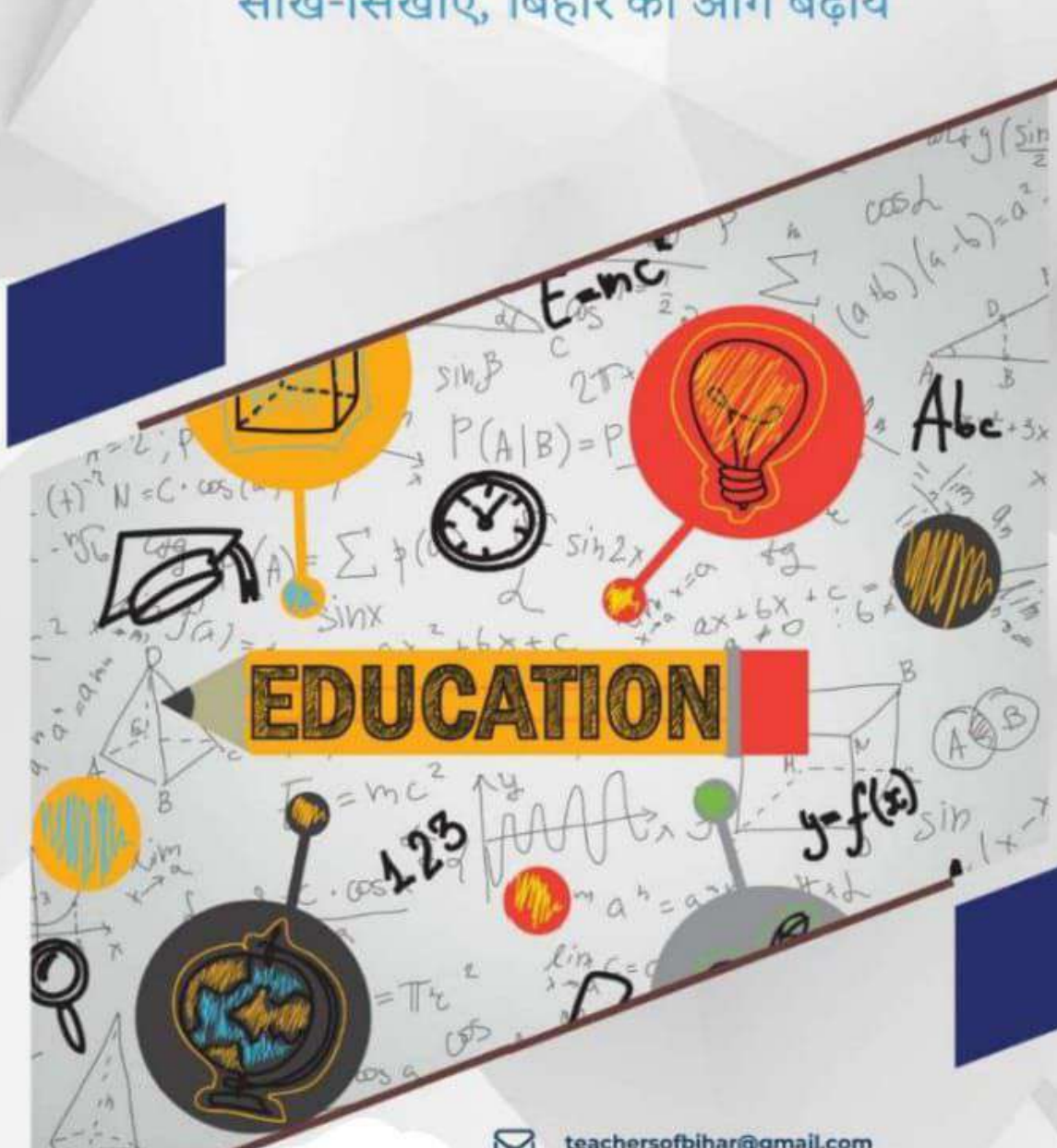

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

पुण्यतिथि विशेष

03 अप्रैल 2026

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जब हौसले बुलंद हो तो पहाड़ भी

एक मिट्टी का ढेर लगता है ।

शिवाजी महाराज

(भारत के महान योद्धा)

जन्म -19 फरवरी 1630 मृत्यु - 03 अप्रैल 1680

राकेश कुमार

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

3 अप्रैल

मधु प्रिया

हिंदी रंगमंच दिवस 3अप्रैल

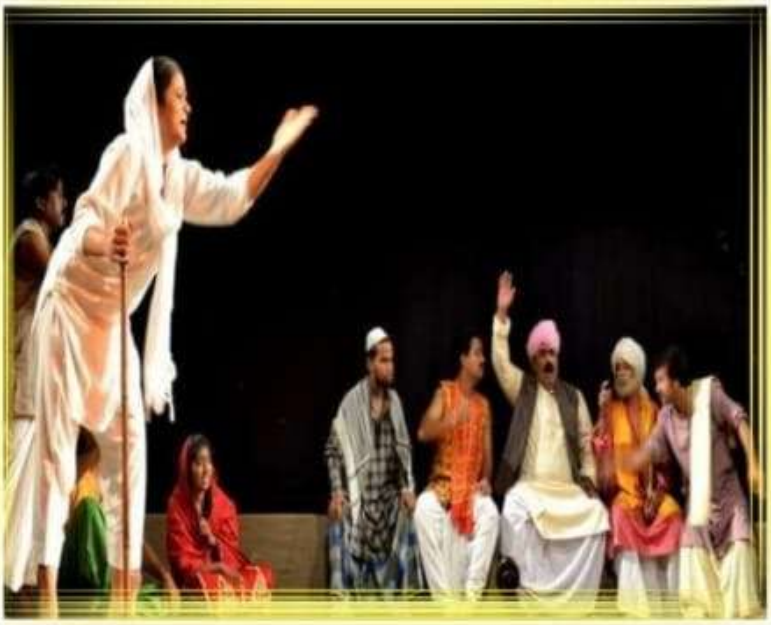

हिंदी रंगमंच दिवस प्रतिवर्ष 3 अप्रैल को मनाया जाता है। तीन अप्रैल 1868 की शाम बनारस में पहली बार शीतलाप्रसाद त्रिपाठी कृत हिन्दी नाटक 'जानकी मंगल' का मंचन हुआ। जून 1967 में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिंदी साहित्य का इतिहास में पहली बार इस नाटक के मंचन को प्रामाणिक तौर पर पुष्ट किया। इंग्लैंड के 'एलिन इंडियन मेल' के आठ मई 1868 के अंक में भी उस नाटक के मंचन की जानकारी भी प्रकाशित हुई थी। इसी आधार पर पहली बार शरद नागर ने ही हिन्दी रंगमंच दिवस की घोषणा तीन अप्रैल को की थी।हिंदी रंगमंच के विकास में 'भारतेंदु नाटक मंडली' (1906) की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है।इस मंडली ने लगभग डेढ़ दर्जन नाटकों का मंचन किया जिसमें 'सत्य हरिश्चंद्र' , 'सुभद्रा हरण' , 'चंद्रगुप्त' , 'स्कंदगुप्त' , 'ध्रुवस्वामिनी' प्रमुख है। इस नाटक मंडली ने भारतेंदु युगीन नाटकों के साथ – साथ प्रसाद के नाटकों को भी सफलतापूर्वक मंचित कर हिंदी के अपने स्वतंत्र रंगमंच के विकास का मार्ग प्रशस्त किया।

पुण्यतिथि विशेष 03 अप्रैल

वीर मराठा सम्राट, धर्म एवं मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले भारत के गौरव

छत्रपति शिवाजी महाराज जी

की पुण्यतिथि पर
उन्हें शत्-शत् नमन।

शिवाजी *Shivaji*, पूरा नाम: 'शिवाजी राजे भोंसले', जन्म: 19 फ़रवरी, 1630 ई.; मृत्यु: 3 अप्रैल, 1680 ई.) पश्चिमी भारत के मराठा साम्राज्य के संस्थापक थे। शिवाजी के पिता का नाम शाहजी भोंसले और माता का नाम जीजाबाई था।
सेनानायक के रूप में शिवाजी की महानता निर्विवाद रही है। शिवाजी ने अनेक क़िलों का निर्माण और पुनरुद्धार करवाया। उनके निर्देशानुसार सन 1679 ई. में अन्नाजी दत्तों ने एक विस्तृत भू-सर्वेक्षण करवाया, जिसके परिणामस्वरूप एक नया राजस्व निर्धारण हुआ।

TOB

खेल कॉर्नर

राजस्थान के लिए IPL में सबसे तेज अर्धशतक

खिलाड़ी	गेंद	खिलाफ	साल
यशस्वी जायसवाल	13	KKR	2023
वैभव सूर्यवंशी	15	CSK	2026
दीपक हुड्डा	22	DD	2015
यूसुफ पठान	23	MI	2010
जोस बटलर	23	KKR	2022
जोस बटलर	23	RCB	2022

CSK के लिए 10वें विकेट की सबसे बड़ी साझेदारियां

खिलाड़ी	साल	रन
काम्बोज-ओवरटन	2026	33
धोनी-मोहित शर्मा	2013	26*
जडेजा-बेन लॉफलिन	2013	25
शिवम दुबे-काम्बोज	2025	24*
एल्बी मोर्केल-सुदीप त्यागी	2010	22*

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **03.04.2026**

उद्दीपन परिवर्तन कौशल

उद्दीपन परिवर्तन कौशल **(Stimulus Variation Skill)** सूक्ष्म शिक्षण **(Micro-teaching)** का एक महत्वपूर्ण कौशल है। इसका मुख्य उद्देश्य कक्षा में छात्रों का ध्यान आकर्षित करना और उसे पाठ के अंत तक बनाए रखना है।

जब एक शिक्षक पढ़ाते समय अपने व्यवहार, हाव-भाव और आवाज में बदलाव लाता है, तो उसे ही उद्दीपन परिवर्तन कहा जाता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
छत्रपति शिवाजी महाराज
जन्म: 19 फरवरी 1630
मृत्युः 3 अप्रैल 1680
Madhu priya
/teachersofbihar

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
Supreme
हिन्दी रंगमंच दिवस 3 अप्रैल
रंगमंच से जुड़े लोगों को हिन्दी रंगमंच दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

ToB News

शिक्षा, शिक्षक एवं शिक्षा

4थी से 6ठी कक्षा में भाषा-गणित की पढ़ाई की नयी व्यवस्था

70 हजार स्कूलों में 1ली घंटी भाषा और 2री गणित की, शुरू हुई सरल, रोचक, गतिविधि आधारित पढ़ाई

(आज शिक्षा प्रतिनिधि)

पटना। राज्य के 70 हजार सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त प्रारंभिक विद्यालयों में 4थी से 6ठी कक्षा में भाषा और गणित की पढ़ाई की पढ़ाई की व्यवस्था बदल गयी है। नयी व्यवस्था में 4थी से 6ठी कक्षा में 1ली घंटी भाषा की और 2री घंटी गणित की चल रही है।

4थी से 6ठी कक्षा में गणित की पढ़ाई की व्यवस्था नये शैक्षिक सत्र से बदली है। नया शैक्षिक सत्र बुधवार से शुरू हुआ है। 4थी से 6ठी कक्षा के बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान में दक्ष बनाने के लिए शिक्षा विभाग के निर्देश पर नयी व्यवस्था लागू हुई है। इस व्यवस्था को लागू करने के लिए शिक्षा विभाग के सचिव दिनेश कुमार द्वारा 16 मार्च को ही राज्य के सभी जिलों के जिलाधिकारियों, जिला शिक्षा पदाधिकारियों एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों (समग्र शिक्षा) को निर्देश दिये गये थे। नयी व्यवस्था लागू करने के पीछे की पृष्ठभूमि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 पर केंद्रित है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुरूप पढ़ना, लिखना एवं बुनियादी गणित बच्चों की आगे की पढ़ाई की मजबूत नींव है। विभिन्न आकलनों से यह स्पष्ट हुआ है कि 4थी एवं 5वीं कक्षा के सभी बच्चे अभी भी अपेक्षित बुनियादी सीखने के स्तर तक नहीं पहुंच पाये हैं। इसके कारण उच्च कक्षाओं के पाठ्यक्रम को समझने में कठिनाई होती है। इसी स्थिति में बच्चों की बुनियादी सीखने की क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए राज्य स्तर पर एक समन्वित एवं लक्षित पहल की आवश्यकता महसूस की गयी। इसके तहत एक दिन पहले शुरू हुए वर्तमान शैक्षिक सत्र 2026-27 में शिक्षा विभाग द्वारा 4थी, 5वीं एवं 6ठी कक्षा के बच्चों की भाषा एवं गणित की बुनियादी क्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से एक राज्यव्यापी कार्यक्रम को अभियान के रूप में लागू करने का निर्णय लिया गया। यही वजह है कि नयी व्यवस्था में 4थी, 5वीं एवं 6ठी कक्षा के बच्चों की भाषा एवं गणित की पढ़ाई विद्यालयों की नियमित दिनचर्या एवं शैक्षणिक कैलेंडर के साथ समेकित रूप से संचालित हुई है। इसका उद्देश्य बच्चों की बुनियादी सीखने की क्षमता में सुधार लाना एवं उन्हें उच्च कक्षाओं के लिए शैक्षणिक रूप से सक्षम बनाना है। इसके मद्देनजर 3री से 4थी, 4थी से 5वीं एवं 5वीं से 6ठी कक्षा में बच्चों के पहुंचने के साथ ही भाषा और गणित की सरल, रोचक एवं गतिविधि आधारित पढ़ाई शुरू हुई है। इन कक्षाओं की हर प्रारंभिक स्कूल की समय-सारणी में 1ली घंटी भाषा के लिए एवं 2री घंटी गणित के लिए निर्धारित किये गये हैं। 4थी, 5वीं एवं 6ठी कक्षा के बच्चों का भाषा एवं गणित में बेसलाइन मूल्यांकन प्रपत्र के माध्यम से किये जा रहे हैं। विद्यालय स्तर पर दो शिक्षकों को नामित कर उन पर नयी व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय

सिंचाई प्रमंडल, बिहारशरीफ

शुद्धि पत्र-II

इस कार्यालय का पत्रांक-725 दिनांक 02.03.2026 द्वारा निर्गत अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0-09/2025-26, PR No-025557 (WRD) 2025-26 जिसका प्रकाशन दिनांक-07-03-2026 को हुआ है, उक्त प्रकाशित निविदा में अपरिहार्य कारणवश तिथि संशोधित की जाती है। जिसकी विवरणी निम्न प्रकार है-

पूर्व से अंकित	प्रथम संशोधित	द्वितीय संशोधित
निविदा कागजात डाउनलोड एवं अपलोड करने की अवधि: दिनांक 12.03.2026 से 18.03.	निविदा कागजात डाउनलोड एवं अपलोड करने की अवधि: दिनांक 23.03.2026 से 01.04.2026	निविदा कागजात डाउनलोड एवं अपलोड करने की अवधि: दिनांक 07.04.2026 से 13.04.2026

www.teachersofbihar.org

RANJESH KUMAR | MRITUNJAY KUMAR

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

ToB News

शिक्षा, शिक्षक एवं शिक्षा विभाग से जुड़ी खबरें

स्कूलों में एआइ, कंप्यूटेशनल थिंकिंग भी पढ़ेंगे बच्चे

नया पाठ्यक्रम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : स्कूलों में बच्चों को गणित और भाषा जैसे विषयों के साथ प्रारंभिक स्तर से ही एआइ और कंप्यूटेशनल थिंकिंग पढ़ाने की पहल शुरू हो गई है। एक अप्रैल से प्रारंभ हुए नए शैक्षणिक सत्र के साथ ही तीसरी से आठवीं कक्षा के लिए इसके पाठ्यक्रम और छठी कक्षा की पाठ्यपुस्तकें भी जारी कर दी गई हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सीबीएसई और एनसीईआरटी को निर्देश दिया कि वे एआइ और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग से संबंधित पाठ्यपुस्तकों को सभी भाषाओं में तैयार करें और सभी राज्यों के राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के साथ साझा करें।

- शिक्षा मंत्री प्रधान ने तीसरी से आठवीं तक के लिए पाठ्यक्रम व छठी की पाठ्यपुस्तकें जारी की
- एनसीईआरटी को सभी भाषाओं में इसकी पाठ्यपुस्तकें तैयार करने व राज्यों को मुहैया कराने के निर्देश

धर्मेंद्र प्रधान बोले- जीवन को बहुत सहज बनाएगा एआइ

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि अभी दुनिया में एआइ को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही है। इनमें एक चर्चा यह भी है कि यह नौकरियों की संभावनाओं को खत्म कर देगा। जो व्यक्ति अभी काम कर रहे हैं, वह एआइ आने पर बेरोजगार हो जाएंगे। दूसरी चर्चा है कि एआइ जीवन को इतना सहज बनाएगा कि स्वास्थ्य जैसे क्षेत्र में अभी जो दिक्कतें होती हैं, सब खत्म हो जाएंगी। तार्किक क्षमता रखने वाले लोगों को काम के ज्यादा अवसर मिलेंगे।

शिक्षा मंत्री ने यह निर्देश तब दिए हैं जब एआइ व कंप्यूटेशनल थिंकिंग को लेकर तैयार की गई इन पाठ्यपुस्तकों को पढ़ाने की शुरुआत अभी सिर्फ सीबीएसई स्कूलों से की गई है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में बच्चों को एआइ और कंप्यूटेशनल थिंकिंग जैसे विषयों का ज्ञान देना जरूरी है। भारत इस पहल की अगुआई कर रहा है। एआइ और कंप्यूटेशनल थिंकिंग को लेकर तैयार किए गए नए पाठ्यक्रम में कक्षा तीसरी से पांचवीं तक यानी फाउंडेशनल स्टेज तक एआइ को अलग विषय के रूप में नहीं बल्कि गणित, भाषा और सामाजिक व पर्यावरण अध्ययन के साथ जोड़कर पढ़ाया जाएगा। इसके लिए साल में 50 घंटे निर्धारित किए गए हैं। छठी से आठवीं तक एआइ के बुनियादी सिद्धांतों, कोडिंग, रोबोटिक्स व कंप्यूटर प्रोजेक्ट्स के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा। इसके लिए साल में 100 घंटे तक किए गए हैं।

www.teachersofbihar.org

RANJESH KUMAR | MRITUNJAY KUMAR

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

ToB News

शिक्षा, शिक्षक एवं शिक्षा विभाग से जुड़ी खबरें

80 हजार सरकारी स्कूलों में शुरू हुआ प्रवेशोत्सव

(आज शिक्षा प्रतिनिधि)

पटना। राज्य के 80 हजार सरकारी स्कूलों में बच्चों के नामांकन के लिए प्रवेशोत्सव शुरू हुआ।

यह चालू अप्रैल माह के अंत तक चलेगा। इसमें उम्र के हिसाब से बच्चों का कक्षा में नामांकन होगा। प्रवेशोत्सव संकुल स्तर पर शुरू हुआ है।

कॉम्प्लेक्स रिसोर्स सेंटर (सीआरसी) राज्य भर के लगभग 80 हजार स्कूलों में छात्र-छात्राओं की नामांकन कराने के साथ ही बेहतर उपस्थिति सुनिश्चित करायेगा। इसके साथ ही नामांकित बच्चों को कक्षा के अनुरूप निर्धारित दक्षता भी सुनिश्चित करायेगा। सीआरसी स्थित सभी आंगनबाड़ी में नामांकित छह वर्ष के बच्चों का नामांकन आंगनबाड़ी के पोषकक्षेत्र में स्थित प्राथमिक विद्यालय में कराया जाएगा। संकुल संसाधन केंद्र संबंधित आंगनबाड़ी की सेविका और प्रधानाध्यापक से समन्वय करेंगे। कक्षा में बच्चों को उनके उम्र के सापेक्ष नामांकन कराया जाएगा। उम्र समूह 7-8 से 10-11उम्र समूह के बच्चों का उम्र सापेक्ष कक्षा में नामांकन कराने के बाद इनकी कक्षा के अनुसार दक्षता सुनिश्चित कराने के लिए गैर आवासीय प्रशिक्षण केंद्र संचालित होंगे। इसके लिए संकुल संसाधन केंद्र प्रखंड संसाधन केंद्र समन्वयक और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी की गैर आवासीय प्रशिक्षण केंद्र के संचालन की अनुशंसा करेंगे।

दिव्यांग बच्चों के लिए खेल प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। संकुल स्तर पर दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए उनके अनुरूप गतिविधियों और खेल आदि प्रतियोगिता का आयोजन होगा। अलग-अलग तरह की छात्रों के उम्र के अनुरूप खेल से संबंधित गतिविधियों का आयोजन होगा। कक्षा के अनुसार अंतराक्षी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। कक्षा और विषय के अनुरूप क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी होगा। बच्चों के बीच कविता पाठ प्रतियोगिता, नाटक प्रतियोगिता और राष्ट्रीय गीत प्रतियोगिता आदि का आयोजन होगा। कक्षा और विषय के सापेक्ष टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मैटेरियल) निर्माण प्रतियोगिता एवं मेला का आयोजन होगा। एक विद्यालय के छात्र दूसरे विद्यालय का भ्रमण करेंगे

एक विद्यालय के छात्रों का दूसरे विद्यालय के छात्रों के समन्वय और दोस्ती भ्रमण होगा। एक दूसरे के स्कूलों में जायेंगे। वहां की पढ़ाई का तरीका देखेंगे। प्रयोगशाला, पुस्तकालय को भी देखेंगे। यह भ्रमण कक्षावार होगा।

नौवीं-दसवीं का पाठ्यक्रम बदला, तीन भाषाएं अनिवार्य

सीबीएसई

- गणित-विज्ञान में मानक और एडवांस अब दो कोर्स
- मानक सभी के लिए होगा, एडवांस ऐच्छिक

पटना, कार्यालय संवाददाता। सीबीएसई ने कक्षा 9वीं और 10वीं के लिए नया पाठ्यक्रम जारी किया है। यह इसी सत्र से लागू होगा। इसमें कई अहम बदलाव किए गए हैं। अब प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें से दो भारतीय भाषाएं होना अनिवार्य है।

तीसरी भाषा में उत्तीर्ण हुए बिना छात्र 10वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे। विद्यार्थी हिन्दी और अंग्रेजी के साथ एक अन्य भाषा पढ़ने की छूट है। गणित-विज्ञान विषयों में अब दो कोर्स- मानक व एडवांस होंगे। मानक सभी के लिए अनिवार्य होगा। जबकि, एडवांस ऐच्छिक रहेगा। एडवांस कोर्स चुनने पर अतिरिक्त 25 अंकों की परीक्षा देनी होगी। इसमें उत्तीर्ण होने पर मार्कशीट में 'एडवांस लेवल पास' अंकित रहेगा। पर अंक कुल स्कोर में नहीं जोड़े जाएंगे। प्रश्नपत्र में 50 प्रतिशत प्रश्न केस स्टडी, डेटा की समझ और परिस्थितियों पर होंगे। उत्तीर्ण होने के लिए 33% अंक लाना होगा।

9वीं में व्यक्ति और समाज तथा कक्षा 10वीं में पर्यावरण शिक्षा जरूरी होगी। कंप्यूटेशनल थिंकिंग और एआई की पढ़ाई भी अनिवार्य की गई है। कला, शारीरिक और व्यावसायिक शिक्षा को मुख्य विषयों का दर्जा मिला है।

www.teachersofbihar.org

RANJESH KUMAR | MRITUNJAY KUMAR

TEACHERS OF BIHAR

THE CHANGE MAKERS

ToB News

शिक्षा, शिक्षक एवं शिक्षा विभाग से जुड़ी खबरें

राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में माहभर चलेगा प्रवेशोत्सव

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। राज्यभर के सभी सरकारी स्कूलों में इस माह यानी अप्रैल में बच्चों का नामांकन कराया जाएगा। इसके लिए पूरे संकुल क्षेत्र में प्रवेशोत्सव का आयोजन होगा। बच्चों का उनकी आयु के मुताबिक कक्षा में नामांकन कराया जाएगा। इसके लिए अभियान चलेगा।

क्लस्टर रिसोर्स सेंटर (सीआरसी) राज्यभर के लगभग 80 हजार स्कूलों में छात्र-छात्राओं की नामांकन कराने के साथ बेहतर उपस्थिति सुनिश्चित कराएगा। साथ ही नामांकित बच्चों को कक्षा के अनुरूप निर्धारित दक्षता भी सुनिश्चित कराएगा। सीआरसी स्थित सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में नामांकित छह वर्ष के बच्चों का नामांकन आंगनबाड़ी के पोषकक्षेत्र स्थित प्राथमिक विद्यालय में कराया जाएगा। संकुल संसाधन केंद्र संबंधित आंगनबाड़ी की सेविका और प्रधानाध्यापक से समन्वय करेंगे। कक्षा में बच्चों को उनके उम्र के सापेक्ष नामांकन कराने की व्यवस्था की जाएगी। उम्र समूह 7-8 से 10-11 के बच्चों का उनकी उम्र के हिसाब से कक्षा में नामांकन कराने के बाद दक्षता सुनिश्चित कराने के लिए गैर आवासीय प्रशिक्षण केंद्र संचालित किया जाएगा। इसके लिए संकुल संसाधन केंद्र प्रखंड संसाधन केंद्र समन्वयक और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को गैर आवासीय प्रशिक्षण केंद्र के संचालन की अनुशंसा करेंगे।

- सीआरसी के माध्यम से चलाए जाएंगे कार्यक्रम
- दिव्यांग छात्रों के लिए उनके अनुरूप खेल प्रतियोगता होगी

संकुल स्तर पर उम्र के अनुरूप कई तरह की प्रतियोगिताएं होंगी

संकुल स्तर पर दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए उनके अनुरूप गतिविधियां और प्रतियोगिताएं होंगी। उम्र के अनुरूप खेल से संबंधित गतिविधियां होंगी। कक्षा के अनुसार अंताक्षरी, विषय आदि का आयोजन भी होगा। बच्चों के बीच कविता पाठ प्रतियोगिता, नाटक प्रतियोगिता और राष्ट्रीय गीत प्रतियोगिता आदि का आयोजन होगा। कक्षा और विषय के सापेक्ष टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मैटेरियल) निर्माण प्रतियोगिता एवं मेला का आयोजन होगा।

एक विद्यालय के छात्र दूसरे की पढ़ाई का तरीका देखेंगे और सीखेंगे

एक विद्यालय के छात्रों का दूसरे विद्यालय के छात्रों के साथ समन्वय और दोस्ती भ्रमण होगा। बच्चे एक दूसरे के स्कूलों में जाएंगे। वहां की पढ़ाई का तरीका देखेंगे और सीखेंगे। प्रयोगशाला और पुस्तकालय को भी देखेंगे। यह भ्रमण कक्षावार होगा। समय-समय पर एक विद्यालय के शिक्षक का दूसरे विद्यालय में भ्रमण एवं छात्रों के साथ कक्षा का आयोजन होगा। इससे एक विद्यालय की विशेषताओं से दूसरे विद्यालय के शिक्षक भी अवगत हो सकेंगे।

www.teachersofbihar.org

RANJESH KUMAR | MRITUNJAY KUMAR